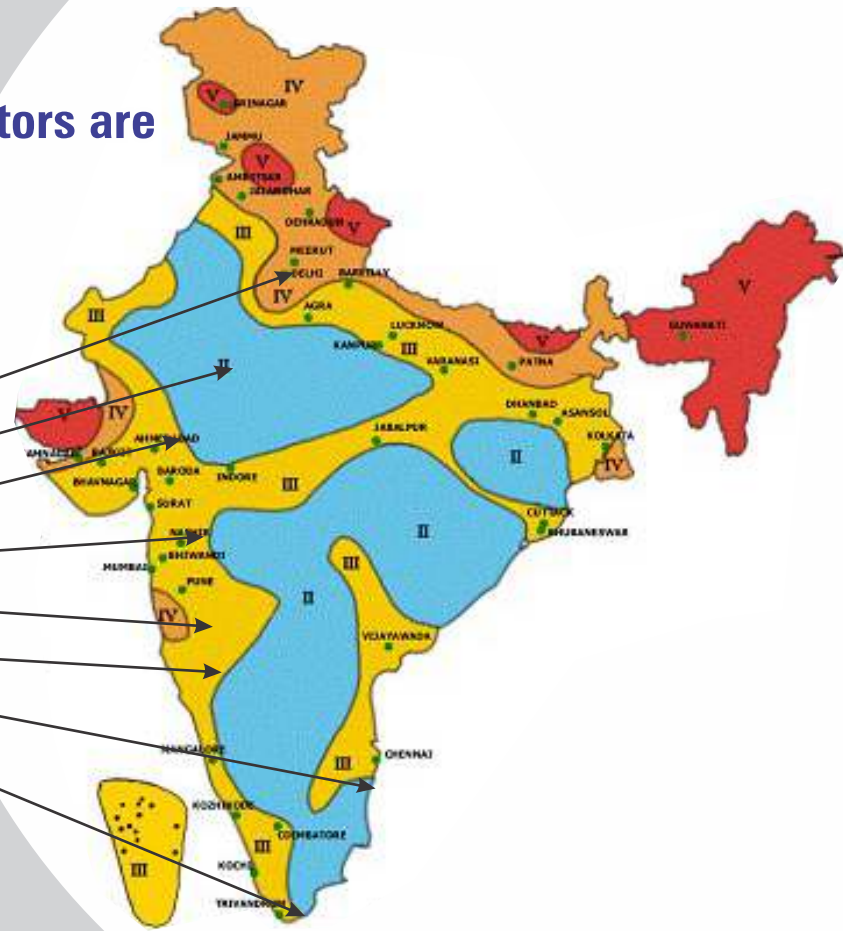


भारतीय न्यूक्लियर बिजली रिएक्टर भूकंप से पूरी तरह सुरक्षित हैं

Indian Nuclear Power Reactors are Safe against Earthquakes

स्थल	Site	भूकंप जोन Seismic Zone
नरौरा	Narora	IV
रावतभाटा	Rawatbhata	II
काकरापार	Kakrapar	III
तारापुर	Tarapur	III
जैतापुर	Jaitapur	III
कैगा	Kaiga	III
कलपककम	Kalpakkam	II
कुडनकुलम	Kudankulam	II



धरती के सबसे नीचे से ऊर्जा के अचानक फट पड़ने के कारण भूकंप की लहरें बनती हैं, और जिसके कारण भूकंप आता है। आम तौर पर भूकंप की तीव्रता को रिक्टर पैमाने पर नापा जाता है।

अधिकतर भूकंप भूमि के भीतर स्थित फाल्टों के विघटन के कारण आते हैं। धरती की जड़ में विभिन्न संरचनाओं के बलों की सक्रियता के कारण विशाल फाल्ट बनते हैं। अधिकतर भूकंपों की वजह सक्रिय फाल्टों के तेजी से चलने के कारण बनने वाली ऊर्जा होती है।

देश के विभिन्न क्षेत्रों को भारतीय मानक आईएस 1893 के अनुसार भूकंप संभावना की गंभीरता व उनके बार-बार आने के आधार पर भूकंपीय जोन II से V में बांटा गया है।

भारतीय न्यूक्लियर बिजली प्लांट उस जगह पर आनेवाले सबसे बड़े भूकंप के अनुसार तैयार किए गए हैं। इसका साक्षात् उदाहरण भुज में आया भूकंप है जिससे कच्छ के निकट स्थित भुज नगर में काफी विनाश हुआ था और इस दौरान काकरापार परमाणु बिजलीघर (केएपीएस) लगातार चालू रहा था।

नरौरा परमाणु बिजलीघर (एनएपीएस) जोन IV में स्थित है और वर्ष 1989 में अपना कर्मर्शियल प्रचालन प्रारंभ करने के बाद से पिछले बीस सालों में यह धरती के सैकड़ों कंपनों को झेलने के बाद भी पूरी तरह सुरक्षित है।

An earthquake is the result of a sudden release of energy in the Earth's crust that creates seismic waves. The intensity of the earthquake is generally measured in Richter scale.

Earthquakes are caused mostly by rupture of geological faults. Large faults within the Earth's crust result from the action of tectonic forces. Energy release associated with rapid movement on active faults is the cause of most earthquakes.

Different regions in the country are categorized as per Indian Standard IS 1893 into seismic zones II to V depending on the severity and frequency of earthquake potential.

Indian Nuclear power plants are designed and qualified for a maximum possible earthquake at the site. This has been amply demonstrated as Kakrapar Atomic Power Station (KAPS) kept operating during the Bhuj earthquake, which was quite devastating to the town of Bhuj in the nearby Kutch.

Narora Atomic Power Station (NAPS) located in Zone IV have withstood several hundred tremors in the last two decades since its commencement of operation in 1989.

भूकंपों के दौरान देश के सभी न्यूक्लियर बिजलीघरों ने सुरक्षित ढंग से प्रचालन किया है ।
All nuclear power plants in the country have operated safely during earthquakes



प्रकाशक : निगम योजना एवं निगम संचार निदेशालय (सीपी एंड सीसी)

6-एस-14, विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400 094. ई-मेल : cpcc@npcil.co.in, वेबसाईट : www.npcil.nic.in

Published by: Directorate of Corporate Planning & Corporate Communications (CP&CC)

6-S-14, Vikram Sarabhai Bhawan, Anushakti Nagar, Mumbai - 400094, E-mail: cpcc@npcil.co.in, Website: www.npcil.nic.in